THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN) : Last. Mr. Venkatraman.

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN (Tamil Nadu) : Madam Vice-Chairman. I must thank you for the opportunity you have given to me....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN) : Please, in two sentences.

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN : Only one minute.

Madam, it is really a sorry state of affairs that the grandson of Dr. Ambedkar has to plead for naming the Marathwada University as "Dr. Ambedkar University". This is the first point I want to submit.

I will be failing in my duty if I do not mention it in the House and put it on record. Madam Vice-Chairman, you and I and so many of the Members who are here have studied in the Madras Law College. During the time when Dr. Kalaignar Karunanidhi was the Chief Minister, without anyboy asking for it he had named it as Ambedkar Law College. Apart from that there is also a college of science and arts named as Dr. Ambedkar College. Apart from that there is also a district by name North Arcot Ambedkar District. Therefore, as Mr. Hanumanthappa has put it, everybody has got a mind to do it. Then what is the hitch ? Naturally something is there which is extraordinary, I should say, because more than 13 years have passed and still it is lingering. Nobody knows why it is so. Where the shoe pinches, nobody is able to understand. Therefore, it is high time—better late than never—at least now after all these discussions, let the Chief Minister immediately announce that it is Marathwada Dr. Ambedkar University. No time should be lost in announcing it. On behalf of the DMK, I urge it very vehemently.

RE. MURDER OF GREAT GRAND-SON OF MAHATMA GANDHI IN SOUTH AFRICA

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : उपसभाध्यक्ष जी, मैं जिस मामले को उठा रहा हूं यह एक गंभीर मामला है। सन् 1893 में गांधी जी पहली बार दक्षिण अफ्रीका गए थे और 1993 में गांधी जी के दक्षिण अफ्रीका पहुंचने के सौ वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में देश में यानी भारत में तथा विदेशों में और खासकर दक्षिण अफ्रीका में कई तरह के समारोह हो रहे हैं और ऐसे समय में जब यह देश अहिंसा, सत्याग्रह और गांधी जी के मूल्यों को याद कर रहा हो और तब गांधी परिवार के एक व्यक्ति की हत्या जिस ढंग से दक्षिण अफ्रीका में हुई है, उसके संबंध में सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं।

महोदया, जो समाचार आए हैं उसके अनुसार गांधी के प्रपौत्र—ग्रेट ग्रांड सन कुशराम गोविंद की हत्या डर्बिन के पास वलोरम में उनके घर में हुई है। पुलिस ने जो जांच की, जो अखबारों के माध्यम से हम लोगों के पास सूचनाएं आई हैं उनका कहना है कि यह चोरी और डकैती की घटना थी क्योंकि जो लोग उनके घर आए थे उन्होंने हत्या भी की और सारा सामान भी लेकर गए। लेकिन गांधी परिवार के जो लोग वहां हैं तथा भारतीय मूल के जो लोग वहां रहते हैं, उन्होंने साफ ढंग से यह शंका व्यक्त की है कि यह चोरी और डकैती का मामला नहीं है तथा यह कोई दूसरी तरह की हत्या हुई है। महोदया, मैं बहुत विस्तार में नहीं जाना चाहता हूं। मैं यह कहना चाहता हूं कि जिस राष्ट्रपिता के नाम पर हमने अपने लोकतंत्र की मर्यादा को, सत्य और अहिंसा की नीति को अक्षुण्ण रखा है और ऐसे समय में जबकि गांधी जी के दक्षिण अफ्रीका जाने के सौ वर्ष पूरे हुए हों और इस उपलक्ष्य में पूरा परिवार वहां समारोह आयोजित करने में लगा हुआ है तो उस वक्त श्री कुशराम गोविंद की हत्या को एक गंभीर मामला लेना चाहिए। महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि आज जब दक्षिण अफ्रीका में एक नई सुबह आई है, एक नया सवेरा आया है, आजादी का नया दीपक जला है और वहां पर लोग जिस तरह से आज गांधी जी को याद कर रहे हैं और जिस तरह से वहां साम्राज्यवादी शक्तियां समाप्त हुई और गांधी जी का सपना पूरा हुआ—इतना पुराना सपना,

और ऐसे समय में गांधी परिवार के एक व्यक्ति की हरमा के मामले को बहुत ही गंभीरता से लेना चाहिए। भारत सरकार को यह चाहिए क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के साथ हमारे नए राजनयिक संबंध बहुत दिनों के बाद कायम हुए हैं, इस मामले को दिखलाएं और इस संबंध में हमको भी बताएं कि क्या हो रहा है ?

महोदया, अंतिम बात मैं यह कहना चाहता हूं तथा बड़ी दुखद स्थिति है। कहां एक ओर हम राष्ट्रपिता गांधी जी के नाम को लेकर दुनिया में सिर ऊंचा उठाए हुए हैं, उस राष्ट्रपिता के नाम की हत्या एक दल विशेष भारत में कर रहा है, जिसके बारे में भर्त्सना भी हुई है। इसके बारे में कुछ भी, कहा जाए तो बहुत कम है, क्योंकि आप जानती हैं, महोदया, राष्ट्रपिता के नाम पर अब तक इस देश में कभी भी किसी तरह का विवाद नहीं हुआ था और राष्ट्रपिता---फादर ऑफ दि नेशन के नाम पर जो व्यक्ति विवाद करता है, मैं समझता हूं कि वह राष्ट्रद्रोही है, अराष्ट्रीय है और ऐसे व्यक्ति को किसी भी रूप में क्षमा नहीं करना चाहिए।

मैं इस संदर्भ को उस संदर्भ के साथ जोड़ना चाहता हूं और यह केवल व्यक्ति की हत्या नहीं है, मूल्यों की हत्या है, गांधीवाद की हत्या है, सत्य और अहिंसा की हत्या है। सरकार को चाहिए कि गंभीरता से इस मामले को ले और सदन को बताए कि यह मामला क्या है।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN) : I am sure the whole House associates itself with his special mention.

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदया, यह बहुत ही गंभीर मामला है और मैं भी अपने को इससे संबद्ध करता हूं और यह कहना चाहता हूं कि जो लोग इसमें शामिल हैं वे देश के दुश्मन हैं। इसलिए पूरे सदन की भावना शंकर दयाल जी के साथ है और इस पर तुरंत कार्यवाही करनी चाहिए।

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra) : The whole House should associate with the special mention made by Shri Shankar Dayal Singhji.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : महोदया, सरकार इस संबंध में सारी जानकारी उपलब्ध कराए और उचित कार्यवाही करे। मैं भी इस भावना से अपने आपको जोड़ता हूं।

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI (Gujarat) : Madam Vice-Chairman, I will only add one sentence. I associate myself with the special mention made by Shri Shankar Dayal Singhji. But the condition of Gandhi Memorial Trust is not good. We only talk about it. We do not see what is happening there. Newspapers have already reported that abusive language and derogatory language is being used in the exhibits there. What are we doing about it ? It is not merely enough to talk about it. Madam, through you, I appeal to the Government to put an end to what is happening in the Gandhi Memorial Trust and see that exhibits are properly portrayed there.

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : मैं भी इसका समर्थन करता हूं और यह कहना चाहता हूं कि गांधी जी की उस भावना का आदर करना चाहिए जब उन्होंने कहा था कि आजादी का काम खत्म हो गया, इसलिए कांग्रेस को समाप्त कर देना चाहिए (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN) : The whole House associates itself with what Shri Shankar Dayal Singh has said.

RE. PUBLICATION OF SOUVENIR BY THE RAMAYAN MELA AT AYODHYA

श्री विष्णु कांत शास्त्री (उत्तर प्रदेश) : आदरणीय उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से इस सदन के समक्ष एक महत्वपूर्ण विषय पर कुछ बातें कहना चाहता हूं। आपको ज्ञात होगा और अखबारों में भी आया है कि सरकारी संरक्षण के द्वारा, सरकारी योजनाओं के अनुसार अयोध्या में जो रामायण मेला चल रहा है उसकी जो स्मारिका प्रकाशित हुई है, उसमें जो आपत्तिजनक बातें कहीं गई हैं, उनके कुछ उदाहरण मैं पेश करना चाहता हूं।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN) : Please be brief. Don't read from the newspaper.